एक नजर में

सैमसंग ने टॉप माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर्स तक बढ़ाया बीस्पोक एआई

इंदौर. सैमसंग ने अपने बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है. यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है. रेफ्रिजरेटर्स की इस नई रेंज में 256 लीटर और 236 लीटर की क्षमता वाले चुनिंदा मॉडल्स वाई-फाई कनेक्टिविटी के साथ आते हैं, ताकि इन्हें स्मार्टथिंग्स ऐप के ज़रिए स्मार्टफोन से आसानी से कंट्रोल और मॉनिटर किया जा सके. सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज़ बिज़नेस के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा भारत में सैमसंग के 30 साल पूरे होने के मौके पर, हम भारतीय ग्राहकों के लिए लगातार नए और बेहतर एनर्जी-एफिशिएंट समाधान ला रहे हैं. 300 लीटर से कम क्षमता वाले हमारे नए एआई-इनेबल्ड रेफ्रिजरेटर्स, जिनमें बीस्पोक एआई टॉप माउंट फ्रीज़र भी शामिल है, भारतीय घरों में स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी, मॉडर्न डिज़ाइन और बेहतर बिजली मैनेजमेंट की सुविधा देते हैं.

मंत्रालय ने 5 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाई

इंदौर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 किलोग्राम फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडरों की उपलब्धता में काफ़ी बढ़ोतरी की है, ताकि देश भर में प्रवासी मज़दूरों और संवेदनशील समुदायों को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन आसानी से और किफायती दरों पर मिल सके. एक सक्रिय कदम उठाते हुए, मंत्रालय ने पूर्व आपूर्ति सीमा को हटा दिया है और 7 अप्रैल से सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 5 किलोग्राम सिलेंडरों का रोज़ाना का आवंटन दोगुना कर दिया है. खासतौर पर शहरी एवं अर्द्ध शहरी क्षेत्रों में बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए यह कदम बढ़ाया गया है. मंत्रालय ने सिलेंडर प्राप्त करने की प्रक्रिया को भी सरल बना दिया है. अब उपभोक्ता अपने पहचान पत्र जैसे आधार या पैन कार्ड तथा सेल्फ-डेक्लेरेशन के साथ सिलेंडर ले सकते हैं; उन्हें पते का स्थायी प्रमाण प्रस्तुत नहीं करना होगा.

सैमसंग ने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का किया विस्तार

इंदौर. सैमसंग अपने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का विस्तार और अधिक गैलेक्सी डिवाइसों तक कर रहा है. मार्च में वन यूआई 8.5 बीटा[1] के विस्तार के बाद, अब यह प्रोग्राम गैलेक्सी एस23 सीरीज़, गैलेक्सी ज़ेड फोल्ड5, गैलेक्सी ज़ेड फ्लिप5, गैलेक्सी एस23 एफई और पहली बार ए-सीरीज़ के गैलेक्सी ए36 5जी सहित अन्य डिवाइसेस के लिए जारी किया जा रहा है. यह बीटा प्रोग्राम भारत, कोरिया, यूके और अमेरिका[2] जैसे चुनिंदा बाजारों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगा. एंड्रॉइड के साथ अपने निरंतर सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग वन यूआई 8.5 बीटा पर क्विक शेयर के माध्यम से एयरड्रॉप के लिए सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे गैलेक्सी एस25 सीरीज़, गैलेक्सी एस24 सीरीज़, गैलेक्सी ज़ेड फोल्ड7, गैलेक्सी ज़ेड फ्लिप7, गैलेक्सी ज़ेड फोल्ड6 और गैलेक्सी ज़ेड फ्लिप6[3] जैसे चुनिंदा डिवाइसेस के उपयोगकर्ताओं के लिए क्रॉस-प्लेटफॉर्म फाइल शेयरिंग अधिक सुगम हो जाएगी.

रुसान नेपेश किया अपोसान 3 एमएल मल्टी डोज पेन

इंदौर. रुसान हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड ने अपोसान 3 मिली मल्टी-डोज पेन पेश करने की घोषणा की है. यह एक डिलीवरी डिवाइस है, जिसमें एपोमॉर्फिन हाइड्रोक्लोराइड इंजेक्शन कार्ट्रिज के रूप में दिया जाता है. इसका उपयोग पार्किंसन रोग (पी.डी.) के मरीज़ों में होने वाले 'ऑन-ऑफ' एपिसोड, यानी शरीर की हरकतों में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव को संभालने के लिए किया जाता है. लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रुसान हेल्थकेयर की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर मालविका कौर सक्सेना ने कहा, अपोसान 3 एमएल पेन एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अपोमॉर्फिन देने के लिए एक पोर्टेबल और बार-बार इस्तेमाल होने वाले भरोसेमंद विकल्प देता है. लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, रुसान फार्मा लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. कुनाल सक्सेना ने कहा, अपोसान 3 एमएल पेन हमारे उस प्रयास को दर्शाता है, जिसके ज़रिए हम पार्किंसन के इलाज को ज़्यादा लोगों तक पहुंचाने और उसे आसान बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं.

शपथ विधि में सेवा कार्य करने का लिया संकल्प

इंदौर. इग्नाइट इंदौर चैप्टर का शपथ विधि समारोह ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुआ, जिसमें अध्यक्ष मंदार राजवाड़े ने शपथ ली. वर्षभर सेवा कार्य करने का संकल्प भी लिया. आयोजन में मितुल शाह ने अध्यक्ष मंदार राजवाड़े सहित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई. विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग सेवा कार्य करने का संकल्प भी लिया. इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अंकुश झवर विशेष रूप से उपस्थित रहे. मुख्य अतिथि निशांत गुप्ता ने कहा कि इग्नाइट जैसे संगठन तकनीकी प्रगति और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाने का उत्कृष्ट उदाहरण हैं. आभार स्मिता जैन ने माना.

भारत में पेट केयर अर्थव्यवस्था में हो रही वृद्धि

इंदौर. पेट्स को सभी प्यार करते हैं. उनकी देखभाल करते हैं और एक परिवार के सदस्य की तरह उनका पालन-पोषण करते हैं. उनके साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव के कारण भारत में 'पेट पैरेंट्स' बढ़ रहे हैं. यह बदलाव केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में उनके लिए शॉपिंग, खर्च और उनकी केयर में भी दिखाई दे रहा है. भारत में पेट इंडस्ट्री पर जारी हुई आई.बी.ई.एफ रिपोर्ट के अनुसार यह सेक्टर लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जिसमें लोगों की बढ़ती आय, शहरी जीवनशैली और पेट की सेहत के प्रति बढ़ती प्राथमिकता का महत्वपूर्ण योगदान है. यह वृद्धि फ्लिपकार्ट पर भी प्रदर्शित हो रही है, जहाँ पेट-केयर के प्रति जीवनशैली पर आधारित बढ़ते दृष्टिकोण के साथ इस श्रेणी में 50 प्रतिशत से अधिक की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज हो रही है. ग्राहकों द्वारा फ्लिपकार्ट पर कुत्ते और बिल्लियों से लेकर मछलियों, पक्षियों और अन्य पालतू जानवरों तक कई दैनिक उपयोगिता की वस्तुओं और विशेष प्रीमियम प्रोडक्ट्स की खरीदारी की जा रही है.

एलपीजी की 95 फीसदी बुकिंग हो रही ऑनलाइन

इंदौर. पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि पूरे देश में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर और पर्याप्त है. मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराहट में ज्यादा खरीदारी न करें और ज़िम्मेदारी के साथ एलपीजी का इस्तेमाल करते रहें. मौजूदा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मज़बूती का ज़िक्र करते हुए, मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता पर निगरानी रखी जा रही है और इसका प्रबन्धन किया जा रहा है, ताकि देश भर के परिवारों तक बिना किसी रुकावट के एलपीजी पहुँचती रहे. मंत्रालय ने एलपीजी बुकिंग के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया. अब लगभग 95 फीसदी उपभोक्ता आईवीआरएस, एसएमएस, व्हॉट्सऐप और मोबाइल ऐप के ज़रिए बुकिंग करते हैं. उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे इन आसान और प्रभावी डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल करते रहें, ताकि डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर भीड़ न लगे और उन्हें बिना किसी रुकावट के सेवा मिलती रहे.

सुपरस्टार सिंगर सीज़न 1 का प्रीमियर 13 से

इंदौर. कई प्रकार के जॉनर में मनोरंजन से भरपूर और दिलचस्प अनुभव देने के अपने वादे को और मजबूत करते हुए, सोनी पल लगातार पौराणिक, कॉमेडी, रियलिटी और कई तरह के कॉन्टेंट का शानदार मिश्रण पेश कर रहा है इस रोमांचक लाइन-अप में अब एक और खास शो जुड़ रहा है. चैनल 13 अप्रैल, 2026 से अपनी सुपरस्टार सिंगर सीज़न 1 का प्रीमियर करने जा रहा है, जो कि सोमवार से शनिवार रात 8.30 बजे प्रसारित होगा नितिन कुमार, ज्योतिका तंगड़ी, सलमान अली और सचिन कुमार वाल्मीकि की कामयाबी में चार चमदार टीमें बनाई गईं हैं. शो का फॉर्मेट मेंटर-आधारित है, जो युवा सिंगिंग टैलेंट को निखारने का काम करता है. चार हफ्तों में विभाजित 24 एपिसोड्स के साथ यह सीज़न इमोशन्स और यादगार परफॉर्मेंस से भरपूर एक शानदार म्यूज़िकल अनुभव प्रदान करता है. सोनी पल पर इसका प्रीमियर एक ग्रैंड गाला प्रीमियर से शुरू होगा, जहां दर्शकों को शुरुआत से ही शो के सबसे खास और यादगार पलों को दोबारा देखने का मौका मिलेगा.

एनएसई ने शुरू किया नैनोसेकंड स्तर पर ऑर्डर एक्नॉलेजमेंट

इंदौर. वॉल्यूम के आधार पर दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव्स एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने 11 अप्रैल से करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स, कैश (कैपिटल मार्केट) और इक्विटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपना इमीडिएट एक्नॉलेजमेंट फीचर लागू कर दिया है. इसके ज़रिए अब ऑर्डर का एक्नॉलेजमेंट नैनोसेकंड में मिल रहा है, जो पहले के लगभग 100 माइक्रोसेकंड के सिस्टम रिस्पॉन्स टाइम से काफी तेज है. नए और बेहतर प्रोसेस के तहत अब एनएसई के ट्रेडिंग सिस्टम को भेजे गए हर ऑर्डर को नैनोसेकंड में तुरंत एक्नॉलेजमेंट मिल रहा है. यह ऑर्डर मिलने की रियल-टाइम पुष्टि इसके बाद सामान्य प्रक्रिया के अनुसार कन्फर्मेशन या रिजेक्शन के मैसेज से आगे बढ़ती है, जिससे मार्केट में काम करने वाले लोग अपने ऑर्डर की जानकारी तुरंत ट्रैक कर सकते हैं और पहले से ज्यादा भरोसे व पारदर्शिता के साथ काम कर सकते हैं. फिलहाल दुनिया का कोई भी अन्य एक्सचेंज ऐसा नहीं है, जो नैनोसेकंड में रिस्पॉन्स देने का दावा करता हो.

हमें भाजपा के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं : पटवारी

▶ पूरे प्रदेश में भ्रष्टाचार का कैंसर फैला है - कांग्रेस

नव भारत न्यूज

इंदौर. आजादी के बाद 50 सालों तक अपने कार्यालय पर तिरंगा झंडा नहीं फहराने वाले देशभक्ति का पाठ पढ़ाएंगे? देशभक्ति के लिए भाजपा के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है. राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान कांग्रेस की आत्मा में बसा है और वंदे मातरम गाकर कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी है. भाजपा बहस से बचने के लिए हर बार सांप्रदायिक बातें करके जनहित और शहर के मुद्दों से भागती है.

उक्त बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकार वार्ता में कही. आज दोपहर में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मीडिया से कहा कि भाजपा पिछले तीन सालों से शहर में जनहित के मुद्दों से बहस से भाग रही है. पिछले तीन सालों में लगभग लगभग 7500 हजार, 8200 और 8400 करोड़ से ज्यादा का बजट पेश किया, लेकिन हद बार शहर की जनता के मुद्दों सड़क, ड्रेनेज, पानी, पर्यावरण पर बहस से भाग जाते हैं. कभी नमाज पढ़ने का, कभी वंदे मातरम् का मुद्दा बनाकर बहस करने से बचते है और बिना बहस के बजट पारित हो जाता है. राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान कांग्रेस की आत्मा में बसा है और कांग्रेस के अधिवेशन हो या अन्य कार्यक्रम राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान गाया ही जाता है. इसमें नया कुछ नहीं, बल्कि पहले से ही परंपरा है. राष्ट्रगीत गाकर कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी है. भाजपा को कांग्रेस की देशभक्ति पर सवाल खड़े करने का अधिकार नहीं है और ना ही कांग्रेस को भाजपा के सर्टिफिकेट की जरूरत है.

आपने कहा, भ्रष्टाचार का पूरे प्रदेश में कैंसर फेल चुका है. वल्लभ भवन की 5 वीं मंजिल पर भ्रष्टाचार के दलाल बैठे हैं, जो ट्रांसफर और पोस्टिंग की भी दलाली कर रहे हैं. प्रदेश में एक भी मंत्री ऐसा नहीं जो भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं हो. पटवारी ने चुनौती देते हुए कहा कि मैं हर मंत्री के भ्रष्टाचार का सबूत वो जहां बोले वहां आकर देने को तैयार हूं. आपने कहा, वंदे मातरम नहीं गाने का फौजिया शेख द्वारा सार्वजनिक तौर पर कहना पूर्णतः गलत है. रुबीना खान को लेकर मामला हमारे संज्ञान में है और पार्टी अनुशासन समिति जो मुझसे भी उपर है उनके भी संज्ञान में है और जो कार्रवाई एवं निर्णय होगा, आपको बताया जाएगा. शहर अध्यक्ष ने अपना काम कर दिया. उन्होंने मुस्लिम पार्षदों के मामले में कहा कि उनके कार्यकलाप की जानकारी पार्टी के संज्ञान में है और समय अनुसार कारवाई होगी.

कांग्रेस देगी परिषद में बहस कराने का ज्ञापन

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे को निर्देश दिए है कि पिछले तीन सालों में बजट पर भाजपा ने बेवजह सांप्रदायिक मुद्दे लाकर परिषद में बहस नहीं कराई है और बिना बहस के बजट पारित कर दिया है. इसको लेकर संभागायुक्त डॉ. सुदामा खाड़े को ज्ञापन देकर शहर के जनहित मुद्दों पर बहस कराने के लिए ज्ञापन दे और मांग करे कि जनहित मुद्दों पर परिषद में बहस होना चाहिए.

निगम ने तलघर का पार्किंग में उपयोग नहीं करने पर भवन किया सील

▶ सभी झोन में बहुमंजिला इमारतों का सर्वे और जांच जारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा द्वारा शहर के सभी घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्थित भवनों का सर्वे और जांच की जा रही है. उक्त जांच अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की जा रही है. अभी तक निगम अधिकारियों ने 14 भवनों को सील करने की कार्रवाई की है. साथ ही शहर के सभी वार्डों में सर्वे और जांच कार्य निरंतर जारी है.

आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर गर्मी में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं को लेकर सर्वे किया जा रहा है. सर्वे में फायर विभाग एवं भवन अनुज्ञा शाखा शहर के विभिन्न व्यावसायिक, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में फायर सुरक्षा संबंधी जांच कर रहे है. इसके तहत आग लगने की स्थिति में बचाव हेतु जागरूकता एवं आपात स्थिति सुरक्षा करना मुख्य उद्देश्य है. उपरोक्त विषय को लेकर नगर निगम के भवन अधिकारी एवं भवन निरीक्षक, भवन अनुज्ञा शाखा अग्नि सुरक्षा की जांच कर नोटिस दे रहे है. साथ ही भरी भीड़ जमा वाले क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा के संबंध में सर्वे कार्य किया जा रहा है. अभी तक नगर निगम के सभी झोन में 432 भवनों का सर्वे किया गया। 282 भवनों में अग्नि सुरक्षा उपकरण लगे पाए गए, जिनमें 50 उपकरण बंद पाए गए है और 133 भवनों में अग्नि सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हैं. साथ ही ऐसे भवनों जिनमें अग्नि सुरक्षा उपकरण नहीं लगे अथवा उपकरण बंद है. उन भवन स्वामियों और रहवासी संघ को नोटिस जारी किए है. अभी तक 101 भवन मालिक और संचालकों को नोटिस जारी किए जा चुके है. ऐसी बिल्डिंग जिनमें अग्नि सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई है अथवा अग्नि सुरक्षा उपकरण बंद मिले हैं. तलघर का पार्किंग में उपयोग नहीं किया जा रहा हैं. ऐसे 14 भवनों को सील करने की कार्यवाही की गई है.

इंदौर मंडियों में नई व्यवस्था, अब आधार नंबर के बिना प्रवेश पर्ची नहीं

▶ ई-मंडी ऐप अब किसानों का बना साथी

नवभारत न्यूज़

इंदौर. कृषि उपज मंडी समिति इंदौर द्वारा किसानों के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है. अब लक्ष्मीबाई नगर मंडी, संयोगितागंज मंडी तथा देवी अहिल्याबाई होलकर फल एवं सब्जी मंडी प्रांगण में कृषि उपज विक्रय हेतु आने वाले सभी किसानों को प्रवेश पर्ची बनवाने के लिए मोबाइल नंबर के साथ आधार नंबर देना अनिवार्य किया. यह व्यवस्था प्रदेश स्तर के निर्देशों के तहत लागू की गई है.

मंडी समिति ने बताया कि किसानों को वे अपने आधार कार्ड की फोटो अपने मोबाइल में सुरक्षित रखें या उसकी फोटोकॉपी साथ लेकर आएं, ताकि प्रवेश पर्ची बनवाते समय आसानी रहे. मंडी सचिव के अनुसार इंदौर की तीनों मंडियों में ई-मंडी प्रणाली लागू है, जिसके तहत किसान ई-मंडी ऐप को प्ले स्टोर से डाउनलोड कर अपने वाहन की प्रवेश पर्ची स्वयं भी जारी कर सकते हैं. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आधार नंबर या वैध पहचान उपलब्ध न होने की स्थिति में प्रवेश पर्ची जारी नहीं की जाएगी, जिससे कृषि उपज की नीलामी प्रभावित हो सकती है.

मेट्रो का गांधी नगर से मालवीय नगर तक ट्रेक टेस्टिंग

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज मेट्रो का दो रैक से ट्रेक टेस्टिंग किया गया. सूत्रों के अनुसार वैसे यह रूटीन तकनीकी टेस्टिंग है, जिससे ऑपरेशन में कोई दिक्कत नहीं आए.

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल का इंदौर में 17 किलोमीटर ट्रेक बनकर तैयार है. दूसरे चरण में मेट्रो सुपर कॉरिडोर से मालवीय नगर का 11 किलोमीटर ट्रेक बनकर तैयार हो चुका है. दूसरे चरण के एसएमआरएस से एनओसी भी मिल गई है। दूसरे चरण का एलिवेटेड लाइन कॉरिडोर पिछले दिनों पूरा हो चुका है. कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी ने दिल्ली से 27 मार्च को मेट्रो को पूरे 17 किलोमीटर ट्रेक पर चलाने के अनुमति दे दी है. इसके बाद मेट्रो रेल का गांधी नगर से मालवीय नगर चौराहे तक चलाने का रास्ता साफ हो गया है.

तकनीकी और ऑपरेशन का टेस्ट-दूसरे चरण के ट्रेक पर आज मेट्रो रेल का दो रैक से रूटीन टेस्ट किया गया. आज करीब पूरे ट्रेक पर मेट्रो को हर तरह से तकनीकी और ऑपरेशन का सफलता पूर्वक टेस्ट किया गया. अब इंतजार है तो सिर्फ कमर्शियल रन शुरू होने का.

अभिभावकों की आवाज बनी ताकत, सिस्टम ने पकड़ी स्कूलों की मनमानी

▶ फीस से लेकर किताब तक हर शिकायत पर तुरंत एक्शन मोड में प्रशासन

नवभारत न्यूज़

इंदौर. शिक्षा व्यवस्था को लेकर उठती शिकायतों के बीच अब एक टोल फ्री नंबर उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है. कलेक्टर शिवम वर्मा की पहल पर शुरू हुई इस व्यवस्था ने अभिभावकों की वर्षों पुरानी परेशानी को आवाज दी है- और अब उस आवाज पर तुरंत कार्रवाई भी हो रही है.

हर दिन दर्जनों शिकायतें आ रही है. कोई किताबों की जबरन खरीद का आरोप लगाता है, तो कोई फीस, आरटीई या एडमिशन को लेकर परेशान है. पहले जो शिकायतें इधर-उधर भटकती थीं, अब सीधे जिला शिक्षा विभाग तक पहुंच रही हैं. गांधीनगर स्थित डॉ. विश्वनाथ कराडा गुरुकुल शांति वर्ल्ड पीस स्कूल का मामला इस सख्ती का बड़ा उदाहरण बना. अभिभावकों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन अपनी ही दुकान से कॉपी-किताब खरीदने का दबाव बना रहा है. जांच में शिकायत सही पाई गई और भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई.

मौके पर ही किया जा रहा समाधान

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. शांत स्वामी के अनुसार अब सिर्फ किताबों की नहीं, बल्कि फीस, आरटीई और एडमिशन से जुड़ी शिकायतें भी सीधे इसी टोल फ्री नंबर पर आ रही हैं- जिनका मौके पर ही समाधान किया जा रहा है. जिले में अलग-अलग स्तर पर टीमें गठित की गई हैं- प्राथमिक (कक्षा 1 से 8) और माध्यमिक-उच्चतर माध्यमिक (कक्षा 9 से 12) के लिए- जो शिकायत मिलते ही मौके पर पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित कर रही हैं. अब इंदौर में शिकायतें सिर्फ दर्ज नहीं होतीं- उन पर तुरंत एक्शन भी दिखता है.

पांच दिन शिकायतों के आंकड़े

7 अप्रैल से 11 अप्रैल तक के आंकड़े इस व्यवस्था की सक्रियता खुद बयां करते हैं. 7 अप्रैल को 33 शिकायतें, 8 अप्रैल को 18 शिकायतें, 9 अप्रैल को 13 शिकायतें, 10 अप्रैल को 13 शिकायतें, और 11 अप्रैल को 7 शिकायतें दर्ज की गईं. इनमें से लगभग 80% शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है,

87 स्कूलों की मान्यता पर संकट अपील से मिल सकती है राहत

▶ कमियां बनीं मुसीबत इंदौर के स्कूलों की मान्यता पर खतरा

नवभारत न्यूज़

इंदौर. इंदौर संभाग में स्कूलों की मान्यता को लेकर एक बार फिर स्थिति अनिश्चित बनी हुई है. हाल ही में नए सत्र के लिए कई स्कूलों ने मान्यता के आवेदन किए थे, लेकिन जांच के दौरान अनेक संस्थानों में कमियां पाई गईं. इसके बाद संबंधित स्कूलों ने प्रथम अपील के लिए भोपाल का रुख किया.

संभाग के आठ जिलों से आए इन मामलों में स्पष्ट किया गया है कि यदि अपील के दौरान भी दस्तावेजों या व्यवस्थाओं में कोई कमी पाई जाती है, तो इन स्कूलों की मान्यता फिर से अधर में लटक सकती है. वर्तमान में इंदौर संभाग के लगभग 87 स्कूलों की मान्यताएं प्रभावित हुई हैं. अनीता चौहान, संचालक लोक शिक्षण, इंदौर संभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन स्कूलों में कमियां चिन्हित हुई हैं, उन्हें सुधार का अवसर दिया गया है. यदि संस्थान समय पर सभी आवश्यक शर्तें पूरी कर लेते हैं, तो उन्हें मान्यता प्रदान कर दी जाएगी. फिलहाल, संबंधित स्कूलों के लिए यह समय निर्णायक है, जहां एक ओर सुधार का मौका है, वहीं दूसरी ओर लापरवाही उनकी मान्यता पर संकट भी खड़ा कर सकती है.

एक नजर में | सानंद न्यास के मंच पर मराठी नाटक का अप्रतिम मंचन

मन को छूने वाला नाटक है करुणाष्टके

इंदौर. सानंद न्यास के पांच दर्शक समूहों के लिए संवेदनशील नाटक 'करुणाष्टके' का मंचन शनिवार शाम से प्रारंभ हुआ. दरअसल, अनेक कालजयी नाटकों की समृद्ध परंपरा से समृद्ध मराठी रंगमंच पर पिछले कुछ समय से सतही हास्य और सीमित विषयों में उलझ जाने की आलोचना होती रही है. ऐसे समय में 'करुणाष्टके' एक उज्ज्वल आशा-दीप की तरह सामने आता है. यह नाटक केवल मंच पर प्रस्तुत नहीं होता, बल्कि दर्शकों के अंतर्मन में उतरकर उन्हें उद्वेलित करता है और गहन चिंतन के लिए विवश करता है.

स्वाधीनता-पूर्व काल में स्त्रियों के जीवन और विशेषतः 'केशवपन' जैसी अमानवीय प्रथा को केंद्र में रखकर रचा गया यह नाटक हमारे सामाजिक इतिहास के एक अंधकारमय अध्याय से साक्षात्कार कराता है. पति के निधन के पश्चात स्त्री के केवल केश-मुंडन तक ही नहीं, बल्कि उसके संपूर्ण अस्तित्व को ही नकार देने वाली यह प्रथा कितनी क्रूर थी, इसका बोध 'करुणाष्टके' अत्यंत मार्मिक ढंग से कराता है. आभूषण, वस्त्र, रुचिकर भोजन, आनंद, यहां तक कि चेहरे की मुस्कान तक छीन लेने वाली इस व्यवस्था की पीड़ा दर्शकों को भीतर तक झकझोर देती है. प्राजक्त देशमुख का लेखन और निर्देशन इस नाटक की सबसे बड़ी शक्ति है. लेखक के रूप में जिस तीव्रता से वे विषय को प्रस्तुत करते हैं, उससे भी अधिक प्रभावशाली ढंग से निर्देशक के रूप में उसे मंच पर मूर्त रूप देते हैं. इस नाटक का वास्तविक प्राण इसके कलाकार हैं. गीतांजलि कुलकर्णी द्वारा अभिनीत 'बाई' की भूमिका नाटक समाप्त होने के पश्चात भी मन में गूंजती रहती है. उनकी पैनी दृष्टि में निहित वेदना शब्दों से परे है. पर्ण पेठे की 'दुर्गा' आरंभ से ही सशक्त और प्रभावपूर्ण प्रतीत होती है. इसके अतिरिक्त कल्याणी मुळे, केतकी सराफ, माधुरी भारती, किरण खोजे, प्रतीक्षा खासनीस और विनायक चव्हाण सभी कलाकारों ने अपनी भूमिकाओं में प्राण फूंक दिए हैं. विशेष बात यह है कि इस नाटक में कोई एक पात्र अलग से उभरकर नहीं आता, बल्कि सभी मिलकर उस सामूहिक पीड़ा का हिस्सा बनते हैं.

आज तीन शो

'करुणाष्टके' की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह दर्शक को मात्र दर्शक बने रहने नहीं देता. नाटक देखते हुए ऐसा अनुभव होता है मानो हम स्वयं उन स्त्रियों के साथ मंदिर की सीढ़ियों पर बैठे हों. और जब पर्दा गिरता है, तो मन में एक बेचैन कर देने वाला प्रश्न उठ खड़ा होता है, क्या हम सचमुच आगे बढ़ आए हैं, या अब भी उसी अतीत की छाया में जकड़े हुए हैं ? सानंद न्यास के अध्यक्ष जयंत भिसे और सचिव संजय वावीकर ने बताया कि नाटक 'करुणाष्टके' का मंचन रविवार को मामा मुजुमदार के लिये प्रातः 10 बजे, वसंत समूह के लिये अपराह्न 4 बजे एवं सायं 7.30 बजे बहार समूह के लिये होगा.